स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा॰ सी॰ सिल्वेरा): (क) ऐसी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) जी, नहीं।

(ग) और (घ) प्रश्न नहीं उठता। तथापि, आकस्मिक जांच अपर निदेशक (केन्द्रीय ब्यूरो) तथा अपर निदेशक, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (मुख्यालय) द्वारा नियमित रूप से की जाती है तथा कहीं आवश्यक होता है, उपयुक्त कार्रवाई की जाती है

Propagation of condoms to check Aids

7296. SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether as an effective measure to check the spread of AIDS and other sexually transmitted diseases, a campaign is sought to be launched in College and University hostels and other hostels to propagate and make available condoms-through condom vending machines; and

(b) if so, what decision has been taken in this regard; and

(c) what steps have been taken in pursuance thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI PABAN SINGH GHATOWAR): (a) No. Sir. However a "Universities Talk AIDS" Schemes to create awareness about HIV/ AIDS among University and college students is being implemented. The scheme covers all the universities in the country.

(b) and (c) Do not. arise.

मोतियाबिंद के ऑपरेशनों में समस्याएं

7297. चौधरी हरमोहन सिंह: क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में डाक्टरी परामर्श के अनुसार प्रति वर्ष लगभग कितने व्यक्तियों का मोतियाबिंद का आपरेशन होने की आवश्यकता है;

(ख) ऐसे व्यक्तियों का आपरेशन करने हेतु इस समय कौन-कौन की चिकित्सा और अर्ध चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं; और

(ग) ऐसे आपरेशन करने हेतु चिकित्सा/अर्ध चिकित्सा दोनों प्रकार की सुविधाओं का किस सीमा तक अभाव है और इसे कैसे पूरा किया जाने का विचार है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में उप मंत्री (श्री पबन सिंह घाटोवर): (क) ऐसे कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। तथापि, वर्ष 1995-96 के लिए लगभग 25 लाख मोतियाबिंद के आपरेशनों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

(ख) मोतियाबिंद के आपरेशनों की सुविधाएं क्षेत्रीय नेत्र चिकित्सा विज्ञान संस्थानों, मेडिकल कालेजों, जिला अस्पतालों, स्वैच्छिक तथा प्राइवेट सेक्टर के अस्पतालों में तथा चल नेत्र शिविरों के माध्यम से भी उपलब्ध हैं।

(ग) ग्रामीण तथा दूरदराज के क्षेत्रों में नेत्र चिकित्सा के शल्य-चिकित्सकों की कमी है। इस समस्या का हल स्वैच्छिक संगठनों की सहायता से चल यूनिटों के माध्यम से नेत्र शिविर लगाकर किया जाता है।

Amount Provided to Gujarat for Minimum Medical Facilities

7298. SHRI RAJUBHAI A. PARMAR: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the total amount provided by Government during 1993-94 and 1994-95 to the tribal dominated sub-plan areas in Gujarat for providing them minimum medical facilities and what is the amount demanded by the State Government for the purpose;

(b) what is the number of dispensaries situated in the tribal sub-plan areas of the State which are unequipped and bereft of the minimum medical facility; and

(c) what are the details of the minimum medical facility prescribed and the means provided by Government?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI PABAN SINGH GHATOWAR): (a) Health is a